

पिघलता हिमालय

वर्ष 42 अंक 20 हल्द्वानी सम्बत् 2083 सोमवार 19 अक्टूबर 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोल्या,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्तल
मंगल सिंह मर्तोल्या



कैंची : श्रद्धा से ज्यादा भब्डू ट्रैफिक नियंत्रण नहीं हो पा रहा, यात्री हांफने लगे हैं

➤ अब चर्चा शुरू मन्दिर को धाम कैसे मानें

➤ काठगोदाम से ही होने लगा है भयंकर जाम

➤ पहाड़ की ठण्डी हवा के बहाने मौजी ज्यादा

➤ लम्बी दूरी के यात्रियों का रूटीन खराब

➤ स्थानीय निवासी भी ऐसे में दिक्कत में

कार्यालय प्रतिनिधि

नैनीताल। कैंची धाम में बढ़ते जा रहे जाम ने पहाड़ की दिनचर्या में आफत घोल दी है। इसके अलावा वीकेंड में हो रहे पर्यटकों के आकर्षण से सारे मुख्य मार्गों पर जाम से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पूरी परेशानी निपटने के लिये शासन-प्रशासन

यातायात व पार्किंग को लेकर मण्डलायुक्त

की बैठक और अपील

आयुक्त कुमाऊँ एवं मुख्यमंत्री के सचिव दीपक रावत ने जिला विकास प्राधिकरण सभागार नैनीताल में कैंचीधाम में यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने वीकेंड पर बढ़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए बेहतर यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए।

उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे होटल की अग्रिम बुकिंग कर ही कैंचीधाम आएँ। उन्होंने वीकेंड पर सभी उपजिलाधिकारियों, सीओ, एआरटीओ और जिला पर्यटन अधिकारी को आपसी समन्वय से व्यवस्था की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवहन विभाग को

किसी भी तरह का प्लान नहीं कर पा रहा है। कहने को तो लम्बे समय से वाईपास रोड सहित तमाम सपने दिखाए जा चुके हैं लेकिन जिस प्रकार की आफत 'कैंची' को लेकर मचने लगी है, उसमें श्रद्धा से ज्यादा भब्डू दिखाई दे रहा है। बाहर से पहाड़ की सैर पर आने वाले और सुनी-सुनाई बातों पर भीड़ बनाने वालों के कारण बहुत ही बुरा प्रभाव दिखाई देने लगा है। यही कारण है कि जितना भयंकर प्रचार-प्रसार कैंची क्षेत्र को लेकर हुआ था, अब इस स्थान पर होने वाली परेशानियों को लेकर उतना ही ज्यादा बखाना हो रहा है। हर तरह से नैनीताल, भीमताल सहित आस-पास के पर्यटक स्थलों को लेकर सोशल मीडिया में भी लोगों ने गुस्सा उतारा है। जाम से जूझने वाले और ठगी का शिकार लोगों ने आपबीती सुनाई है।

जिस कैंची मन्दिर क्षेत्र को अब कैंची धाम कहा हा रहा है, वह वास्तव में क्या है, इस पर क्षेत्रवासी खुलकर बोल रहे हैं। असल में प्रचार-प्रसार के बाद कुछ कारोबारी जरूर खुश हो सकते हैं लेकिन जिस तरह से हर कोई परेशान हो चुका है वह सोचनीय है। श्रद्धाभाव रखने वाले जरूर श्रद्धा करें लेकिन दूसरे कोई भी जाम आदि से परेशान न हों इसके लिये त्वरित कदम उठाने चाहिये। बताते चलें कि भवानी अल्मोड़ा हाईवे पर नीम करौली बाबा के ठहराव के साथ कैंची मन्दिर की चर्चा होने लगी थी और राह चलते कुछ लोग दर्शन को चले जाते थे। हाल के वर्षों में जिस प्रकार से इसका प्रचार बढ़ा है, इसका व्यावसायिक व

अन्य फायदा लेने के लिये तैयारी होने लगी। धर्मभीरु जनता दूर-दूर से आने लगी और ऐसा जैसा हो गया मानो बद्री केदार धाम की यात्रा के लिये उमड़ रहे हों। देखते-देखते अथाह भीड़ जारी है। एकमात्र मुख्य मार्ग में दोनों ओर वाहनों की कतार लगती है, ऊपर से कैंची के आसपास सैकड़ों की भी भीड़ सड़क

यूकेडी की बैठक में भीषण ट्रैफिक जाम

को लेकर चिन्ता और मांग रखी

अल्मोड़ा। उत्तराखण्ड क्रान्ति दल (उक्रांद) की जिला इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में कैंची धाम के आसपास आए दिन लग रहे भीषण ट्रैफिक जाम और उससे पूरे पर्वतीय क्षेत्र की व्यवस्था पर पड़ रहे असर को लेकर गहन चर्चा हुई। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पहाड़ की 'लाइफ लाइन' कहे जाने वाले इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम की स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि अल्मोड़ा से हल्द्वानी पहुंचने में लोगों को 12-12 घण्टे का समय लग रहा है। इस व्यवस्था से न केवल अल्मोड़ा बल्कि रानीखेत, सोमेश्वर, बागेश्वर, कपकोट, थल,

पर दिखाई देती है। इस भब्डू में वह सब दिखाई दे रहा है जो पहले कभी नहीं होता था। प्रसाद की दुकानें खुल चुकी हैं जिसमें लड्डू खरीदने वालों की भीड़, कम्बल, माला, फोटो इत्यादि की दुकानें जिसमें अथाह भीड़, पार्किंग व रुकने के कुछ होटल आदि जो हरसमय भरे हैं,

शेष पृष्ठ 5 पर

यूकेडी की बैठक में भीषण ट्रैफिक जाम

को लेकर चिन्ता और मांग रखी

पिथौरागढ़, डीडीहाट और गढ़वाल मण्डल के कई क्षेत्रों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उक्रांद नेताओं ने चिन्ता जताते हुए कहा कि लम्बे जाम के कारण पहाड़ों में राशन, फल, साग-सब्जियों और दैनिक आवश्यकता की वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। सबसे गम्भीर स्थिति स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बनी हुई है, जहाँ एम्बुलेंस और गम्भीर मरीजों को समय पर उच्च चिकित्सा केंद्रों तक पहुँचाना बेहद मुश्किल हो गया है। उक्रांद ने शासन-प्रशासन के सामने रखी मांगें उत्तराखण्ड क्रान्ति दल अल्मोड़ा इकाई ने शासन व प्रशासन से मामले का संज्ञान

शेष पृष्ठ 5 पर

पिघलता हिमालय

दिनेश आर्य को राज्यसभा टिकट आम जनता का भरोसा है

उत्तराखण्ड में खाली हो चुके राज्यसभा सीट से भाजपा के दिनेश आर्य को टिकट मिलना आम जनता का भरोसा है। भाजपा पार्लियामेंट्री बोर्ड की ओर से राज्यसभा प्रत्याशी के रूप में उनके नाम की मुहर लगने के बाद पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी तरुण चुग की ओर से यह घोषणा की गई। इसके बाद से हल्द्वानी में दिनेश आर्य के आवास सहित पूरे उत्तराखण्ड में आम जनता को यह भरोसा भी हुआ है कि कभी ऐसा भी होता है। चूंकि राजनीति के छल-प्रपंच में बहुत ही चतुर या धनबल या शक्तिशाली को इस प्रकार के अवसर दिए जाते हैं। लेकिन उनकी पार्टी का हित हो। लेकिन इस बार प्रदेश में दिनेश आर्य जैसे आम कार्यकर्ता को राज्यसभा का टिकट मिलना उनकी पार्टी के अलावा अन्य को भी भा गया है। दिनेश निर्विरोध निर्वाचित हुए।

सांसद नरेश बंसल की राज्यसभा सीट नवम्बर में खाली हो रही है। इस सीट पर 6 अक्टूबर को नामांकन होना था, इसको देखते हुए भाजपा हाईकमान की ओर से प्रत्याशी का ऐलान किया गया। पार्टी में राज्यसभा के लिये कुल 25 दावेदार थे। जिनमें से राज्य की कोर कमेटी ने स्क्रॉनिंग के बाद 15 नाम हाईकमान को भेजे थे। राज्यसभा सीट के लिए भाजपा के पास पर्याप्त बहुमत था और दिनेश आर्य निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए।

बात दिनेश आर्य की कौनों तो बेहद सामान्य सा दिखने वाले इस नेता का स्वभाव बचपन से नम्रता वाला है, जिस कारण हर किसी के चहेते हैं। हमेशा से एक ही पार्टी का झण्डा उठाने वाले इस नेता ने चुपचाप अपना कार्य निभाया है और सबके प्रिय भी रहे हैं। ऐसे में हर ओर से इनके लिये आशीर्वाद बरसा। वर्तमान के राजनैतिक हालातों में इन्हें राज्यसभा सांसद बनने जैसे मौके को आश्चर्य के रूप में भी देखा जा रहा है क्योंकि हर प्रकार से सक्षम कई नेता ऐसे पदों के लिये जोरआजमाइश में लगे थे। फिलहाल उनको अवसर मिलने से आम जनता को भाजपा ने भरोसा दिला दिया है कि कभी भी किसी को अवसर मिल सकता है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

भारतीय दवा फैक्ट्री पर हमला

कोवा। यूक्रेन के पूर्वोत्तर शहर सुमी में भारत के कुसुम ग्रुप की दवा फैक्ट्री पर रूसी ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की जान चली गई। रात भर हुए हमलों में इस भारतीय कंपनी के परिसर को निसाना बनाया गया, जिसमें 400 करोड़ रुपये के नुकसान की आशंका है।

फ्रांसिस हैल्जेन को नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम। ब्रह्माण्ड से जुड़े रहस्यों का रास्ता खोजने के लिए बेलजियम में जन्मे 83 वर्षीय वैज्ञानिक फ्रांसिस हैल्जेन को भौतिकी का नोबेल पुरस्कार देने का ऐलान हुआ है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने कहा, आइसक्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी में हैल्जेन 1980 के दशक में न्यूट्रिनो पर काम कर रहे हैं।

कगन और सोआई को रसायन का नोबेल

स्टॉकहोम। फ्रांस के हेनरी बी.कगन के साथ 2026 के रसायन विज्ञान के नोबेल से सम्मानित होने वाले जापान के केंसो सोआई ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे रोमांचित दिनों में से एक है। उन्होंने वह सवाल सुलझाने का श्रेय है जिसने रसायनशास्त्रियों को सौ साल से ज्यादा उलझाए रखा। वह कहते हैं- हमारे दोनों हाथ दिखते एक जैसे हैं पर एक-दूसरे के दर्पण प्रतिबिम्ब हैं।

ऐनी कार्सन को साहित्य का नोबेल

स्टॉकहोम। कनाडाई कवि और निबन्धकार ऐनी कार्सन को 2026 साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया है। ऐनी कार्सन ने 1990 के दशक में कई मशहूर रचनाएं लिखी हैं। इनमें से एक 'ग्लास, आयरनी, एण्ड गॉड' (1995) में 'द मसास एस्से' है।

एयरो-इंजन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता

कोरापुट/ओडिशा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा एयरो-इंजन के क्षेत्र में आत्म निर्भरता भारत की एयरोस्पेस समग्रता की नींव है। एचएएल की कोरापुट डिवीजन में बना 2000वां एयरो-इंजन सौंपे जाने के पर आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने यह बात कही।

कैंसर की दवाएं होंगी सस्ती

नई दिल्ली। सरकार ने कैंसर का इलाज करने वाली सभी गैर अनुसूचित दवाओं पर दुकानदारों का मुनाफा अधिकतम खुरदरा मूल्य (एमआरपी) का 30 फीसदी तक करने का निर्णय लिया है। इससे मरीजों को आर्थिक फायदा होगा।



फसक

दाज्यू, सब अपना-अपना कौशल दिखा रहे ठैरे बुड़ियाकाव में ज्वान बने रहने से मनमलंग रहता है बल

दाज्यू, दिल्ली में गजब हो रहा है। जन्त-मन्तर का भुचन्द हो चुका है। मार लट्ट पिलाई, मादर-फादर-सिस्टर-ब्रदर जैसा सुनाई देता है। खतरनाक लोगों के बीच जाने में डर लगता है। दिल्ली पुलिस चुट्यान करने में वैसे भी पीछे नहीं रहती है बल। कोकोच पार्टी की आवाज पर अपने इलाके से पीसी वा भी गये थे, जिन्हें पुलिस ने पकड़ लिया। दाज्यू, कहीं लगी कहीं बुड़ी.....क्या जो कहे क्या न कहे? रामलीला में ताड़िका बंध हो चुका है। कैंची क्षेत्र में जाम से मचे हल्ले के बाद केन्द्रीय मंत्री अजय टम्टा ने हल्द्वानी सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक की और गुस्सा करते हुए कहा- 'मैं क्यों खाऊँ गाली? लोग घण्टों जाम में फँसने से परेशान है, गुस्से का सामना सरकार को करना पड़ रहा है।'

अपने हरदा ने प्रदेश में यात्रा कर तरंग बहार कर चुके हैं। हमारे हरदा हमेशा स्वस्थ रहें। वैसे भी बुड़ियाकाव में ज्वान रहने से मनमलंग रहता है बल। मार्निंग वॉक, ड्राईफ्रूड्स, बादामसेक टाइप चलता रहे और मल-मल गपशप हो जाए तो मजा ही मजा।

दाज्यू, हमारे ज्वान सीएम धामी ज्यू भी रफ्तार से दौड़ रहे हैं। बबबसा में कैबिनेट के बाद उनकी जै-जै हो रही है। युवाओं के लिये कौशल विकास, रोजगार को 200 करोड़ की योजना को मंजूरी मिली है। दाज्यू, हमारा मानना है चाहे कितनी बड़ी योजना हो, सब अपना-अपना कौशल दिखा रहे ठैरे। हमारा मगनुवा गाँव से बाहर जाने को तैयार नहीं है। कह रहा था- 'इलाके का अतर-भाग सब निपटाना कौन करेगा। गंगानाथ-भोलानाथ के थान में कौन जाएगा। धारे की सफाई कौन करेगा।' दाज्यू, मगनुवा की सुनते-सुनते आधा दिन बीत गया और हम हार गये। कह तो ठीक ही रहा है बेचारा। सब शहर

में बैठकर 'बहारो फूल बरसाओ' गाएंगे तो इन गाँवों का क्या होगा? राजनीति अलग चीज है। उसमें तो सटपट-झटपट सबकुछ होने वाला हुआ।

उत्तरकाशी में प्रेम प्रसंग में कुछ लोगों ने मोटर मैकेनिक की पीटकर हत्या कर दी। दाज्यू, क्या जो कहे? हमें तो इतना ही मालूम है कि मैकेनिक तकनीक जानने वाला ठैरा। अविवाहित था और दो बच्चों की माँ को भगाकर ले गया था। नैनीताल में अपर जिला जज की अदालत ने शादी का झांसा देकर शारीरिक सम्बन्ध बनाने के आरोपी व्यापार मण्डल अध्यक्ष भवाली नरेश पाण्डे की जमानत याचिका खारिज कर दी है। आरोपी पर गुण्डा एक्ट सहित आठ मुकदमे दर्ज हैं बल। उधर बाजपुर में कक्षा 8 की 15 वर्षीय बालिका पंखे पर लटक मिली।

काशीपुर के कुण्डा ग्राम लालपुर में दबंगों ने घर में घुसकर फायरिंग कर जिसमें युवक घायल हो गया बल। सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने जमरानी बांध का निर्माण कार्य का निरीक्षण किया तो हम भी पीछे-पीछे चले गये। दाज्यू, बहुत जाम लगा हुआ है इस शहर में। देहरादून में बबलू को फोन किया तो पता चला कि राजधानी में दिनदहाड़े प्लम्बर ने पंचकस घोंपकर सेवानिवृत्त दम्पति और उनकी सहायिका महिला का कत्ल हो गया है। दाज्यू, किसी से कुछ कहने जैसा नहीं रह गया है। प्लम्बर के साथ विवाद हो गया था बल।

दाज्यू, कहीं भी वातावरण शान्त नहीं है। हमने सोचा किसान मेला घूमने पतनगर चले जाते हैं, वहाँ भी घपला हो गया। मेले में स्टॉल लगाकर बैठी रुद्रपुर की युवतियों ने चार युवकों पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया। बहुत देर तक सड़क पर हंगामा मचा था। इसके बाद हमने सोचा हल्द्वानी शहर चले जाते

हैं क्योंकि व्यापारियों का बड़ा आयोजन होने वाला था और धामी ज्यू भी न्यूते में आने थे, पर क्या करते बिन्नु ने मोबाइल खड़खड़ाते हुए बताया कि वहाँ भी घमाघम हो चुकी है। प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल की हल्द्वानी महानगर इकाई के पदाधिकारियों ने वित्तीय हिसाब-किताब और संगठन मामलों को लेकर प्रान्तीय उद्योग व्यापार मण्डल से अपना सम्बन्ध तोड़ने का ऐलान कर दिया। दाज्यू, किस-किस को जो समझाते रहें, एक को मनाओ तो दूसरा टेढ़ा हो जाने वाला हुआ। नगर मण्डल के नेता योगेश शर्मा का कहना है- 'जिला इकाई के व्यापारियों से प्राप्त सदस्यता शुल्क का हिसाब किताब नहीं मिल रहा है।' दाज्यू, शहरों में वैसे भी कई तरह के और बड़े व्यापारी होने वाले ठैरे। किसको किस तरह का व्यवहार और व्यापार पसन्द है यह तो उसकी आत्मा जानती होगी। हमें गद्दी में बैठा हर आदमी लाला नजर आता है।

दाज्यू, हम क्या करते व्यापारियों के इस झगड़े में? सुना बॉलीबुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी केदारनाथ धाम पहुँची हैं। श्राद्ध पक्ष के अवसर पर उन्होंने केदार बाबा के दर्शन किये। हम केदारनाथ तक तो नहीं गये लेकिन मुखर्जी के दर्शन का लाभ मिल गया। हमने सड़क से ही टनकपुर डिग्री कालेज में शान्ति के लिये बाबा से प्रार्थना भी की। तब तक पता चला कि रामनगर पीएनजी पीजी कालेज में प्राचार्य को तेल डालकर आग लगाने की धमकी देने वाले तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अब दूसरी प्रार्थना रामनगर के लिये भी करनी ही थी। दाज्यू, रामनगर में भी खनन व जंगल घपले से जुड़े चुराड़े लोटपोट करते रहते हैं बल।

-तुम्हारा भुली झकरवा



स्वर्ण जयन्ती की ओर.....

'पिघलता हिमालय' अपनी स्थापना के स्वर्णजयन्ती सफर की ओर है, ऐसे में हिमालय की बात करने वाले, हिमालय सा सोचने वाले, हिमालय सा जीने वाले, हिमालय के हमारे साथियों, सदस्यों, सहयोगियों से निवेदन है कि वह इस लम्बी यात्रा की यादों व अपने संस्मरण, लेख इत्यादि के रूप में सहयोगी बनेंगे। अपने नियमित अंकों के अलावा 'पिघलता हिमालय' पचास साल का दस्तावेज तैयार करने का संकल्प ले चुका है। यह सब आप सबके सहयोग से ही सम्भव है। इसके लिये अपने अमूल्य सुझाव भी दीजियेगा।

-सम्पादक
पिघलता हिमालय

जोहार घाटी**मिलम गांव की वर्तमान यथास्थिति****जगदीश सिंह बृजवाल**

मानसखण्ड में 'जोवर' पर्वत उल्लेखित नाम से जोहार का नाम पड़ा है। भारत-चीन सीमा का अन्तिम गाँव मिलम अतीत के समृद्ध जोहार का केन्द्र बिन्दु महान हिमालय की तलहटी जिसकी समुद्र तल से ऊँचाई 11400 फीट, 3450 मीटर लगभग है। मिलम गाँव की खूबसूरत भौगोलिक बनावट लम्बा-चौड़ा मैदान तथा यहाँ प्रवास करने वाले जर्मन समूह मिरम्वाल- रावत, निखुर्या, धर्मशक्तु, निम्बाल, पंगती लोगों की आज भी बसासत हैं।

आधुनिक जोहार के संस्थापक धामू रावत के महत्वकांक्षा ने बौद्ध धर्म के अनुयाई पूर्व निवासी पंजारीयों का प्रभाव समाप्त कर नये जोहार की परिकल्पनाओं का साकार किया था। तत्पश्चात जोहार घाटी में सनातन धर्म विकसित हुआ है। आधुनिक जोहारियों के द्वारा अपनी शक्ति क्षमता में वृद्धि के लिए उनके सहयोगी- मर्तोलिया, बृजवाल, टोलियाँ, मपवाल, लम्बाल, धपवाल, सुमत्वाल, रिलकोटिया, गन्धरिया जोहार में बस गए, यद्यपि कहीं उल्लेख नहीं मिलता है किन्तु इतिहास में कई महत्वपूर्ण बातें दर्शित हो जाती हैं। जोहार घाटी में सभी जाति का सम्मिश्रण से जोहारी कहलाने लगे।

मिलम गाँव की भौगोलिक स्थिति तीन ओर पूरब, पश्चिम, उत्तर दिशा की ओर बड़े-बड़े आकृति नुमा काले पर्वत, उत्तर दिशा में हिम पर्वत श्रृंखला है मिलम ग्लेशियर, हरदेवल, त्रिशुली हिमपर्वत की तलहटी स्थिति है उत्तर दिशा से आने वाली गोरी गंगा तथा उत्तर पूर्व की ओर से गुंखा नदी के संगम गोरी नदी के पश्चिमी छोर पर दक्षिण से उत्तर की ओर बसा गाँव लम्बा- चौड़ा मैदान तथा गाँव से नीचे गोरी नदी किनारे प्रथम तल पर भी मनमोहक मैदान मिलम की विशिष्ट विशेषता है।

पूर्व दिशा की ओर खिलबुंग गगनचुम्बी पर्वत से सुयोदय तथा पश्चिम की ओर बुगयाली घासयुक्त ढलान, हुन्नी थोड़ (खुन्नी थोड़) उत्तर दिशा में मात्र 6 किमी दूरी पर स्थित मिलम ग्लेशियर, आगे हरदेवल, त्रिशुली हिमपर्वत विराजमान हैं उत्तर पूर्व स्थिति गुंखा नदी किनारे लाखुडी श्वेत (पर्वत) आकृति नुमा मिलम गाँव के सिस्ली बगान (बिल्ल का सुगन्धित पौधे) के ऊपर से उतर की ओर चली जाती है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि - आधुनिक जोहार के संस्थापक धामू रावत की कर्मभूमि, पंजारीयो का धार्मिक स्थल काँचो लामा का गुम्फा, गोरखा कालीन भवन, महान सर्वेयर रावत बन्धु पण्डित नैन सिंह रावत, किसन सिंह, मानी सिंह का पैतृक गाँव, जन्म भूमि, कर्म भूमि, धर्म राय, बाबू राम सिंह पंगती, समाज सेवी, आदि व्यक्तियों का गाँव, जन्म भूमि है 1863 के वर्नाक्लर प्रा० विद्यालय का भग्नावशेष, अवशेष आदि स्थितियाँ हैं वर्तमान में मिलम गाँव में प्रवास पर आने वाले प्रवासी' रावत 2 परिवार,

धर्मशक्तु 4 परिवार, सयाना 1 परिवार, निम्बाल 7 परिवार, पंगती 4 परिवार, अनुसूचित जाति 1 परिवार, मिराशी 1 परिवार कुल 16 परिवार हैं। जोहार में गोरी गंगा वार व पार कई गाँवों की जनसंख्या से दो प्रधान नियुक्त होते हैं पूर्व घाटी की ओर से मिलम गाँव के ही श्री दीपक सिंह निम्बाल प्रधान हैं।

गुंखा नदी छोर टीले के नीचे भा० ति०सीमा पुलिस, भा० सैनिक, आई०बी० चौकी की तैनाती सीमा सुरक्षा प्रहरी के रूप में की गई हैं।

प्रवासियों द्वारा खेतीबाड़ी, पशुपालन, महानत मजदूरी अपने परम्परागत कार्य से आजिविका का साधन से परिवार का भरण पोषण हेतु धन जुटाया जाता है। जोहार में कठिन मेहनत संघर्ष जीजीविषा सर्वोपरि है।

आज भी अपनी परम्परा के प्रति आस्था लोक देवी-देवताओं की अराधना पूजा विधि विधान पारम्परिक ढंग से करते हैं गाँव से कुछ ऊपरी ढलान पर भी नन्दा देवी मन्दिर प्रतिष्ठापित है। धूम्र देव (बाबा) की भी पूजा सदियों से से आज तक यथावत हैं अन्य देवी-देवता की भी पूजा करते हैं। लोग आज भी अपनी पूर्वजों की धाती पर आकर सभी मान्यताएँ को अंगीकार कर अपने पूर्वजों को स्मरण करते हैं।

ब्रिटिश काल में मिलम कुमाऊँ के सबसे अधिक जनसंख्या बहुल गाँवों में स्थान रखता था। जहाँ पर बने भवनों का डिजाइन, नक्काशीदार खिड़की, दरवाजे आदि में उकरे गए उत्कृष्ट शैली में दिखती हैं। मिलम के विषय में कहा जाता था कि नयी-नयी बहु को घर से बाहर निकलने पर पुनः अपने घर वापस पहुँचना कठिन होता था.तब गाँव से ऊपर सिस्ली के बगान (बिल्ल की झाड़ी) 'धति दु.ग.' आवाज लगाने का पथर से बहुओं की खोजबीन होती थी। श्री देवन्द सिंह धर्मशक्तु जी से बातचीत किये जाने

पर उन्होंने गाँव से ऊपर जंगल देखने की बात भी कही थी।

आज भवनों के भग्नावशेष से स्पष्ट कहते हैं कभी हम भी बुलन्दियों पर विराजमान थे सड़कों पर चहल-पहल, चबूतरों में हुक्कों की गरगराहट, बच्चों की किलकारियाँ, अपने अपने पोलों समूहों के चबूतरों पर अधेर, सयाने, बुजुर्गों पुरुषों का जमावाड़ा, हंसी-मजाक, भविष्य की रणनीति, व्यापार की सफलता असफलता कई प्रकार के किस्से कहानियाँ सम्भवतः आपस में साझा होता होगा।

मिलम से आगे उत्तर की ओर गुंखा नदी किनारे से गढ़वाल व तिब्बत जाने वाला मार्ग तथा मिलता से कुछ दूर 'समागों' ऐतिहासिक स्थान जिस संग्राम ने जोहार में युग परिवर्तन कार्य किया, पंजारीयो का अवसान, आधुनिक जोहारीयों का अभ्युदय, प्रभाव जोहार घाटी में देखा गया।

लगभग 65 वर्ष से विरान पड़ा जोहार घाटी में फिर एकबार हलचल शुरू हो गयी है सैलानियों की आवाजाही, सैरागाह आधुनिक संसाधनों के चलते मोटरमार्ग, बिजली, पानी सुविधाओं के चलते जो विकास के कार्य में तेजी आ रही है भविष्य में जोहार पर्यटन के लिए विकसित होते दिख रहा है।

मिलम जोहार का केन्द्र बिन्दु है। जोहार घाटी में रोजगार के अवसर के शुभ होने के साथ-साथ भविष्य की चिन्ता भी कम नहीं दिखती है। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, प्रदूषण, ऋतु परिवर्तन, ग्लेशियर का तेजी से पिघलना, हिम पर्वत की सम्पत्ति जैसी स्थिति देखी जा सकती है। भविष्य में जोहार भूमि की प्राकृतिक नैसर्गिक सौन्दर्यता, विहंगम मनमोहक दृश्यावलोकन करना बेहद मुश्किल हो जाएगा, यदि हमने इनके सुरक्षा, संरक्षण का उपाय नहीं किया तो हमें अपने 'स्वादिप' भूमि से सदैव हाथ धोना ही पड़ेगा।

गंगोलीहाट में बाघ का आतंक**भंडारी गांव की घटना से बेहद गुस्से में**

गंगोलीहाट। क्षेत्र में बाघ के आतंक से क्षेत्रवासियों में बेहद गुस्सा है। विगत दिवस कोटेरा क्षेत्र के भण्डारी गांव में दस वर्षीय मासूम बालक को निवाला बनाए जाने की घटना के बाद से क्षेत्रवासी के लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं।

उनका कहना है कि आदमखोर, हिंसक बन्धुजीव की लम्बे समय से

धारी में भी बाघ का आतंक फैला है

नैनीताल। धारी ब्लाक के विभिन्न गाँवों में लगातार बाघ का आतंक फैला हुआ है। जगह-जगह आबादी क्षेत्र में बाघों के निर्भीक होकर घूमने की बात सामने आ रही है। कांग्रेसी नेता मनोज शर्मा ने वन विभाग की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया कि वे से तो रिवर साइड एरिया से लगातार ही आदमखोर बाघ की उपस्थिति की बात स्वयं विभागीय

आवाजाही की सूचना दिए जाने के बावजूद वन विभाग सोया हुआ है। भण्डारी गांव, खेतीगांव, कोटेरा सहित आसपास के इलाकों में बाघ के कारण भय बना हुआ है। भण्डारी गांव में बालक को घर के आंगन से बन्धुजीव उठाकर ले गया और खाजबीन के बाद घर से कुछ दूरी पर बालक का शव बरामद हुआ।

अधिकारी स्वीकार चुके हैं परन्तु पलड़ा गाँव के 'पप्पू आधरिया' के घर में बाघ लगातार रेकी कर रहा है, बबियाड गाँव में कई जगह बाघ घूम रहा है और वहाँ के निवासी राजेन्द्र प्रसाद के कई पालतू जानवरों को शिकार बना चुका है। ऐसे में विभागीय कार्यशैली गैरजिम्मेदाराना है और विधायक भी करोी बातें कहकर लोगों को टहला रहे हैं।

ज्योतिष की बातें 303

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह गुरु उच्चराशि कर्क में, शुक्र स्वराशि तुला में, बुध मित्रराशि तुला में, शनि समराशि मीन में, सूर्य शत्रुराशि तुला में व मंगल नीचराशि कर्क में गोचर करेंगे तथा चन्द्रमा इस सप्ताह मकर, कुम्भ व मीन राशि में क्रमशः गोचर करेगा।

23 अक्टूबर 2026 को सूर्य सायनमान से वृश्चिक राशि में प्रवेश करेगा अतः हेमन्त ऋतु का प्रारम्भ होगा। अगले दो माह त्रिला चूर्ण में छटा भाग सौंद चूर्ण मिलाकर सेवन करना स्वास्थ्यप्रद रहेगा।

24 अक्टूबर 2026 को बुध तुला राशि में वक्री हो जाएगा अतः अगले 20 दिन बुध से प्राप्त होने वाले शुभफल अब प्रबल रूप से प्राप्त होंगे।

विजयादशमी- आश्विन शुक्लपक्ष की दशमी अपराहन व्यापिनी, यथासमम्भव श्रवणयुता, तिथि में विजयादशमी अर्थात् दशहरा का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार मंगलवार 20 अक्टूबर 2026 को विजयादशमी का पर्व उल्लासपूर्वक मनाया जाएगा।

कोजागरी पूर्णिमा (शरद पूर्णिमा)- यह पर्व आश्विन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा, प्रदोष एवं निशीथ उभयव्यापिनी, तिथि में मनाया जाता है। तदनुसार रविवार 25 अक्टूबर 2026 को कोजागरी पूर्णिमा का पर्व मनाया जाएगा।

शुभं भवतु !!

-ऑंकार नाथ कोष्टा

ज्योतिर्विद एवं आयुर्विद

सम्यक् विचार 185**आपसी सम्बोधन**

आजकल आपस में मिलने पर 'राधे-राधे' कहने का प्रचलन बढ़ रहा है। यदि तीन-चार पीढ़ी पहले की बात करें तो उस समय लोग आपस में मिलने पर प्रायः 'राम-राम' या 'सीताराम' बोलते थे। फिर आर्य समाज का उदय हुआ, वे लोग राम को परमात्मा नहीं मानते थे इसलिए 'नमस्कार' कहने का प्रचलन शुरू कर दिया। आजकल कुछ लोगों को 'जय गुरुदेव' आपस में कहते देखा जाता है, वे शायद किसी विशेष सम्प्रदाय आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़े होते हैं। कुछ लोगों को आपने देखा होगा कि फोन उठाने पर 'जय श्री कृष्ण' बोलते हैं वे वास्तव में एक विशेष सम्प्रदाय इस्कान से जुड़े हुए लोग हैं। अभी कुछ वर्ष पूर्व आपस में मिलने पर 'जय श्री राम' कहने का प्रचलन शुरू हुआ है, ये लोग किसी विशेष सम्प्रदाय या राजनीतिक पार्टी से जुड़े हुए लोग होते हैं। वास्तव में जब कोई व्यक्ति किसी को अपना गुरु बना लेता है तो वह अपनी भाषा बदल लेता है, सम्बोधन बदल लेता है, उद्बोधन बदल लेता है, यह तब तक माथे पर लगाने वाला तिलक भी बदल लेता है। लैटेंट ट्रेण्ड आजकल 'राधे-राधे' का चल रहा है। यह वास्तव में वृन्दावन के एक सन्त से दीक्षा लेने के कारण है। यहाँ पर खास बात यह है कि राधे-राधे या जय श्री कृष्ण बोलते समय व्यक्ति के हृदय में राधाश्री या भगवान कृष्ण का स्वरूप नहीं उत्पन्न होता है बल्कि उनके गुरु का ही स्वरूप उत्पन्न होता है।

यहाँ पर सबसे गलत बात यह है कि लोगों के दादा, परदादा, पूर्वज आपस में मिलने पर जो बोलते रहे वह उन्होंने छोड़ दिया और वे पूर्वज जैसा तिलक लगाते थे माथे पर, उसको भी छोड़ दिया। गुरु या सन्त के प्रति आस्था में पड़कर अपनी खानदानी पैतृक परम्परा को ही नष्ट कर दिया।

मेरे विचार से परमात्मा के सभी विग्रह पूजनीय हैं सभी नाम धारणीय हैं लेकिन किसी सन्त के प्रति आस्था के कारण अपनी पैतृक परम्परा को तो नष्ट नहीं कर देना चाहिए। यह मेरा अपना स्वतन्त्र विचार है, इसमें किसी के सहमत होने की आवश्यकता नहीं है।

-ऑंकार नाथ कोष्टा

अपने से परेशान युवा यूकेडी को भी उलझन में डाल रहे**आशीष और आशुतोष के पक्ष में भिड़े**

देहरादून/गैरसैण। उत्तराखण्ड क्रांति दल की आगामी विधानसभा चुनाव में बनती ताकत को इसी के लोगों ने पलीता लगाया शुरू कर दिया है। युवा चेहरों के तेज-तर्रारपन ने जिस तरह का माहौल बनाना शुरू किया था उससे लग रहा था कि इस बार तीसरे मोर्चे के रूप में प्रदेश में यूकेडी धार देने वाली है परन्तु अपने से परेशान युवा यूकेडी को भी उलझन में डाल रहे हैं। आशीष नेगी और आशुतोष नेगी के पक्ष में जिस प्रकार से युवा भिड़े हैं, उसने साफ कर दिया है कि नेतृत्व की क्षमता रखने वाले इन युवाओं में मची होड़ तीसरे मोर्चे के नाम पर बन रही हवा को फुस्स करने जा रही है। राजनीति के दांवपेंच में कौन किस हाथ खेलेगा और कौन अपना रास्ता बनाने के लिये क्या कर रहा है, इस प्रकार की चर्चाएं भी चारों ओर होने लगी हैं। क्षेत्रीय दल के नाम पर लगातार होती रही टूटन से वह लोग चिन्तित हैं जो जल-जंगल-जमीन की बात करते हैं

जलजनित रोग मामले पर एसओपी बनाएं

नैनीताल। ज्योलीकोट और उसके आसपास के क्षेत्रों में जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए सरकार नई एसओपी बनाकर उसे पूरे प्रदेश में लागू करे। मुख्य न्याय धीरा मनोज कुमार गुप्ता व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार का पक्ष सुनने के बाद यह निर्देश दिया।

दोगांव में भूकटाव का खतरा जारी

नैनीताल। काठगोदाम-नैनीताल मार्ग पर दोगांव के समीप पहाड़ी में लगातार हो रहे भूकटाव से खतरा जारी है। इसे देखते हुए एनएचएआई ने शासन से प्रभावित क्षेत्र का भूगर्भीय सर्वेक्षण कराने की मांग की है। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर बचाव कार्य के लिये तकनीकी प्रस्ताव तैयार करने के उपाय किये जा सकेंगे।

शारदा नदी से खनन निकासी को ज्ञापन

टनकपुर। शारदा खनन शक्तिमान युनियन ने अध्यक्ष मनोज गुप्ता के नेतृत्व में खनन निकासी नवम्बर में ही शुरू कराये जाने की मांग को लेकर वन क्षेत्राधिकारी को ज्ञापन प्रेषित किया है। कहा है कि नगर के तमाम वाहन स्वामी, व्यापारी और श्रमिकों के आर्थिक हित शारदा खनन से जुड़े हुए हैं।



परिक्रमा

जन्त-मन्तर

नेहा बोरा

दुनियाभर इन दिनों दिल्ली के जन्त-मन्तर में हुए वृहद आन्दोलन की चर्चा होने लगी है। युवाओं के सड़कों पर उतरने के साथ देश के बड़े नेता भी इसमें कूद चुके हैं। ऐसे में पहाड़ की एक बालिका नेहा बोरा अग्रणी आन्दोलनकारी के रूप में चर्चित हो चुकी हैं। इसके लिये सोचने के सबके अपने-अपने तरीके हैं।

कुविवि के प्रो.रितेश साह शिखर पर कुलसचिव बनने के बाद अब एसोसिएटशिप के लिये चयन

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रितेश साह इन दिनों शिखर पर हैं। बेहद मुदुभाषी व परिश्रमी डॉ. साह अभी हाल ही में विश्वविद्यालय के कुल सचिव बनाये गये थे। इसके बाद उनका चयन भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला में संचालित यूजीसी अन्तर विश्वविद्यालय मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान केंद्र की एसोसिएटशिप के लिए हुआ है। देशभर से चयनित केवल 99 शिक्षकों में प्रो. साह इसमें शामिल हैं।

इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला की ओर से जारी पत्र में प्रो. साह को केंद्र एसोसिएट के रूप में चयनित किये जाने की सूचना दी गई। प्रो. साह को रक्षा मंत्रालय की ओर से दो राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, विश्व विद्यालय अनुदान आयोग, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद तथा उत्तराखण्ड सरकार के सहयोग से 5 वित्त पोषित शोध परियोजनाएं पूर्ण की हैं।

उनके अकादमिक योगदान में 6 पुस्तकें, एक मोनोग्राफ तथा 50 से अधिक शोध पत्र शामिल हैं। उनके शोध पत्रों में स्प्रिंगर नेचर में प्रकाशित शोध भी शामिल हैं। प्रो. साह ने 11 पीएचडी शोधार्थियों का पर्यवेक्षण किया है। एमिटी विश्व विद्यालय में एक शोधार्थी के सह मार्गदर्शक के रूप में भी जुड़े रहे हैं।

प्रोफेसर रितेश की सफलताओं पर पिपलता हिमालय परिवार उन्हें ढेर सारी बधाई देता है।

मदकोट में बनेगा जियोथर्मल पूल

मुन्स्यारी/देहरादून। मदकोट में जियोथर्मल पूल बनाए जाने और पर्यटकों के ठहरने के लिए कटिज और अन्य सुविधाएं विकसित करने की योजना है। सरकार गर्म पानी के स्रोतों को विकसित कर इनका इस्तेमाल बिजली उत्पादन के अलावा पर्यटन सुविधाएं विकसित करने

का प्लान कर चुकी है। पर्यटन विभाग मदकोट में गर्म पानी के प्राकृतिक स्रोत को आसपास पर्यटक सुविधाएं विकसित करने की योजना पर काम शुरू कर चुकी है।

पर्यटन सचिव धीराज गर्बाल बताते हैं कि राज्य में नए पर्यटन स्थल विकसित

करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मदकोट को आधुनिक पर्यटक सुविधाओं से जोड़ने की योजना है। इसके लिये पहले गर्म पानी की जांच कराई जाएगी। सुरक्षा सम्बन्धी पहलुओं का भी अध्ययन होगा, जिसमें वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान की मदद ली जाएगी।

आदि रंगोत्सव में मंचीय प्रस्तुतियां

खटीमा। राज्य जनजातीय शोध संस्थान उत्तराखण्ड की ओर से आयोजित तीन दिवसीय आदि रंगोत्सव में मंचीय प्रस्तुतियां देखने को मिलीं। 12 राज्यों से आए कलाकारों की प्रस्तुतियों के अलावा स्थानीय व्यंजनों को इस अवसर पर परोसा गया।

ई-पीएमएस व्यवस्था लागू

देहरादून। राज्य में इलेक्ट्रॉनिक प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग सिस्टम (ई-पीएमएस) व्यवस्था लागू हो गई है। अब लॉनिवि समेत सभी निर्माण एजेंसियों का डीपीआर गठन, मंजूरी, वित्तीय स्वीकृति, जीओ से लेकर टेंडर और भुगतान से जुड़ी सभी प्रक्रिया ई-पीएमएस पोर्टल के माध्यम से होगी।

देहरादून में किताब कौतिक आयोजन

देहरादून। क्रिएटिव उत्तराखण्ड द्वारा दून लाइब्रेरी में जन सहयोग से किताब कौतिक का आयोजन किया जा रहा है। 23 से 25 अक्टूबर तक होने वाले इस आयोजन से पूर्व अल्मोड़ा से प्रकाशित बालग्रही, भारत ज्ञान विज्ञान समिति देहरादून द्वा बच्चों की 5 दिवसीय बाल लेखन कार्यशाला का आयोजन कर काव्यगोष्ठी भी की गई।

कांग्रेस की पेट गुड़गुड़ ठीक नहीं हो पा रही

राजनीति की डोर से बंधे हरदा आसानी से नहीं मानेंगे

उत्तराखण्ड की राजनीति में हरदा को लेकर उछाड़-पछाड़ का खेल जारी है। राजनीति की डोर से बंधे हरदा भी मानने वाले नहीं हैं। विपक्ष की एकजुटता का राग अलाप करने वाले इससे बेहद चिन्तित भी हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत कांग्रेस के सबसे अनुभवी व वरिष्ठ नेता हैं लेकिन उनकी इस लम्बी पारी के बाद भी उनके विरोधी सुर कम नहीं हैं। विरोध करने वाले भी वही हैं जो उनके बहुत करीब रहे थे। साथ ही कुछ कठिने हरदा ने अपने लिये स्वयं तैयार किये हैं जो चुभने ही हैं। इन हालातों में कांग्रेस की पेट गुड़गुड़ ठीक नहीं हो पा रही। पार्टी के शीर्ष रणनीतिकार उत्तराखण्ड का चुनाव हर हाल अपने पक्ष में चाहते हैं लेकिन वर्षों के भीगे हुए 'हरदा' जैसे नेता को समझना भी जरूरी है।

विधानसभा चुनाव 2027 के लिये

समानान्तर टीम तैयार है रावत की

प्रदेश में कांग्रेस इस बार तरौताजा दिखाई दे रही है लेकिन हरदा की टेर चौकाने वाली है। एक ओर वह अपनी पार्टी के शीर्ष को ही प्यार से आंख तरेत हुए दिख रहे हैं दूसरी ओर विपक्ष को चेतावनी के लहजे में भी हैं। राजनीति के माहिर हरदा जैसा की पहले से दबाव की राजनीति करते रहे हैं, इस बार वह एकतरफा ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि उनके पास पूरे प्रदेश में पार्टी के अलावा समानान्तर टीम तैयार है जो उनके हर आदेश को हमेशा मानती रही है। यही कारण है की जब हरीश रावत किसी आयोजन का आह्वान करते हैं तो उनकी पूरी टीम जुट जाती है।

विधानसभा चुनाव से पहले कैसा

एकजुटता का अलाप करने वाले चिन्ता में

दृश्य बनेगा यह तो आने वाले दिनों में साफ दिखाई देगा परन्तु हरदा द्वारा बनाये जा रहे माहौल का दृश्य दिखाई देने लगा है। हालांकि वयोवृद्ध हरदा अपनी चूक को स्वीकार कर रहे हैं और युवाओं को आगे लाने की बात भी की है लेकिन हमेशा से खगगाड़ रहे हरदा गुस्सा नहीं करेंगे, कैसे मान लें।

'धन्यवाद व जन सम्वाद यात्रा' करके श्री रावत ने अपनी पार्टी के सामने ही झण्डा सा गाड़ दिया था। वह कुछ कहना और कुछ न कहना चाहते हैं। उनके अभियान को लेकर केन्द्रीय नेतृत्व सख्त था और प्रभारी शैलजा ने पत्र जारी कर जनसम्वाद यात्रा रोकने को कहा। इस पर हरदा नरम-नरम हुए और कहा- 'वह पार्टी को जगाने के लिये यह कर रहे हैं। एक बुजुर्ग की यात्रा से किसको क्या दिक्कत हो सकती है। हम सब एक हैं।' इस दौरान हरदा ने खानपुर के निर्दलीय विधायक उमेश कुमार पर गुस्सा निकाला और कहा जिसके कारण उनकी सत्ता गई वह कैसे हीरो माना जा सकता है। कुछ लोग उसे हीरो बनाने में जुटे हैं। बताते चलें कि 2016 के फिटिंग आपरेशन के बाद से हरिश रावत और उमेश में विवाद गहराता गया।

इसी प्रकार सल्ट के पूर्व विधायक

उमेश कुमार और रणजीत मानने से रहे

और रामनगर में चुनाव लड़ने की जिद कर रहे रणजीत सिंह रावत को लेकर हरदा तीखे हैं और पूर्व ब्लाक प्रमुख संजय नेगी को आगे कर चुके हैं। हरदा को खट्टे-मीठे सुगों के बीच जब पार्टी द्वारा उन्हें दिल्ली तलब किया गया तो उन्होंने कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से भेंट कर प्रदेश में चल रहे चुनावी अभियानों और पार्टी की रणनीति पर चर्चा की। वेणुगोपाल ने भी सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड के सभी नेताओं को साथ मिलकर कांग्रेस चुनाव अभियान को आगे बढ़ाएगी। यह अभियान कांग्रेस के बैनर तले और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा

में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में चलाया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि पार्टी व्यक्तिगत स्तर पर चलाए जाने वाले चुनाव अभियानों को स्वीकार नहीं करेंगे। चुनाव से जुड़े कार्य कलाप पार्टी संगठन योजनानुसार होंगे। प्रदेश कांग्रेस के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर पार्टी की जीत के लिए काम करने पर जोर दिया गया है। इसके बाद हरदा पार्टी की ओर से प्रभारी शैलजा से भी मिले। हाईकमान की सलाह पर हरीश रावत ने अपने जनसम्वाद कार्यक्रम को स्थगित तो कर दिया है लेकिन कांग्रेस की गुड़गुड़ ठीक होना आसान नहीं है। चुनाव तक पार्टी छोड़कर जाने और पार्टी में आने वालों का क्रम भी अभी देखने को मिलेगा। भीतर तक सुलग चुके नेता किसी को बर्दाश्त भी कैसे कर पाएंगे?

गंगोलीहाट सीट पर डॉ.भीम कुमार दिखाने लगे हैं दबदबा

गंगोलीहाट विधानसभा सीट पर जब टिकट के लिये नेतागण जूझ रहे हैं, अनुभवी नेता डॉ. भीम कुमार दबदबा दिखाने लगे हैं। युवाओं के बीच पकड़ रखने वाले भीम कुमार अपनी बात-व्यवहार को लेकर भाजपा-कांग्रेस दोनों कार्यकर्ताओं में लोकप्रिय हैं। भाजपा की ओर से टिकट चाहने वालों की लाइन लम्बी है

और उन्हें आस है कि भाजपा फिर से इस सीट पर मौका पाएगी, ऐसे में डॉ. भीम ने खुलकर अपनी इच्छा जाहिर करते हुए विधानसभा क्षेत्र में सम्पर्क साधना शुरू कर दिया है। बताते चलें कि जबर्दस्त राजनीतिक पकड़ रखने वाले इस नेता के व्यवहार को लेकर वह सभी को चहेते रहे हैं।

किच्छा नगर पालिका में जीत के बाद कांग्रेस की ताकत दिखने लगी है

किच्छा नगर पालिका अध्यक्ष पद पर राजेश प्रताप सिंह की जीत के बाद कांग्रेस की ताकत दिखने लगी है। दरअसल भाजपा और कांग्रेस के दिग्गजों में जिस प्रकार का झगड़ा उपजा है वह इस चुनाव में ताकत दिखाने को आतुर भी थे। कांग्रेसी नेता विधायक तिलकराज बेहड़ और भाजपा के पूर्व विधायक राजेश

शुक्ला के बीच हुई तनातनी के बाद यह तो साफ हो ही गया है कि बेहड़ की टीम काफी आगे है। पालिका चुनाव में भाजपा ने संदीप अरोड़ा उर्फ 'सोनु' को टिकट दिया था। इस चुनाव में बेहड़ और शुक्ला ने अपनी-अपनी ताकत दिखाते हुए यह सन्देश भी दिया कि विधानसभा चुनाव में कैसा कैसा होगा।

कैंची : श्रद्धा से....

प्रथम पृष्ठ का शेष

चाय-पकौड़ी की दुकानें जिसमें हर समय मुंह चलाते यात्री व पहाड़ घूमने आये लोग दिखाई देंगे। इसके अलावा मोबाइल से सेल्फी लेने के लिये सड़क के आसपास भीड़भाड़.....। कैंची मन्दिर के मुख्य गेट पर अन्धाधुंध भीड़। यह पूरा दृश्य देखकर यात्रा पर निकले लोग वैसे ही हांफ सकते हैं, फिर यदि आपातकाल की यात्रा पर कोई सवारी हो या किसी बीमार को इस मार्ग से होते जाना होगा तो समझ जा सकता है वह किस हाल में होते होंगे।

कैंची की महिमा का जिस प्रकार से वर्णन होने लगा है उसका परिणाम यह है कि हल्द्वानी के काठगोदाम से लेकर कैंची पार खैरना तक जाम ही जाम रहने लगा है। जगह-जगह पुलिस व्यवस्था भी है लेकिन इस भीड़ को नियन्त्रण करना किसी के बस की बात नहीं लग रहा। काठगोदाम-ज्योलीकोट मार्ग हो या काठगोदाम-भीमताल मार्ग हो दोनों में सैकड़ों वाहनों की कतार से क्षेत्रवासी परेशान हो चुके हैं। देखने में आ रहा है कि कैंची मन्दिर के दर्शन के लिये श्रद्धालुओं से ज्यादा मौजी हैं। पहाड़ की ठण्डी हवा के बहाने आने वाले ऐसे यात्रियों के वाहन सड़क में बेतरतीब होने या इनके वाहन से उतर कर मनमर्जी करने, सेल्फी इत्यादि कारनामों का असर सड़क चलते अन्य लोगों पर होता है और जाम लग जाता है। ऐसे में लम्बी दूरी के यात्रियों के रूटीन खराब होते हैं। पहाड़ से हल्द्वानी आकर किसी बस या रेल से सफर करने वाले यदि जाम में फंसे हैं तो उनको परेशान होना पड़ता है। नियमित रूप से अपने स्कूल या कार्यालयी कार्यों पर जाने वालों को भी इस जाम का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। कुल जमा देखा जा रहा है कि जिस प्रकार का भव्बड़ कैंची क्षेत्र में हो रहा है उससे भारी परेशानी है और इसका उपाय जरूरी है।

यूकेडी की बैठक....

प्रथम पृष्ठ का शेष

लेते हुए तुरन्त ठोस कदम उठाने का निवेदन किया और दो मुख्य सुझाव रखे जिसमें- जब तब यातायात का कोई स्थाई विकल्प तैयार नहीं हो जाता, तब तक कैंची धाम में श्रद्धालुओं के लिए ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था के जरिए ही दर्शन अनिवार्य किए जाएं। कैंची धाम के लिए केवल शटल बस सेवा संचालित की जाए ताकि निजी वाहनों के भारी दबाव को नियंत्रित किया जा सके और राजमार्ग को जाम से निजात मिल सके। बैठक में दल के केन्द्रीय सचिव त्रिलोक सिंह लटवाल, जिला अध्यक्ष दिनेश जोशी, महानगर अध्यक्ष मोहित साह, सुजीत टट्टा, अक्षय कुमार, धीरज भैसोड़ा, कमल सिंह, विजय पन्त, दीपक सिंह और सूरज बोरा सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

यातायात व पार्किंग..

प्रथम पृष्ठ का शेष

खोलने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। बैठक में नैनीताल के बारापत्थर क्षेत्र में वीकेंड पर लगने वाले जाम पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि टोल पास की कम चौड़ाई के कारण जाम की स्थिति बनती है। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने वीकेंड पर जाम की स्थिति न बनने देने के निर्देश दिए। आयुक्त ने सड़कों को गड्ढामुक्त करने के भी निर्देश दिए। जिस पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि डामरीकरण एवं पैचवर्क का कार्य किया जा रहा है। मण्डलायुक्त ने सभी सड़कों का कार्य शीघ्र पूरा करने को कहा।

बैठक में आईजी कुमाऊं नवेदिता कुकरेती, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, एसई एनएच मनोहर सिंह, एसई लोनिवि राजेश पन्त, आरटीओ (ई) अरविन्द पाण्डे, एडीएम विवेक राय, प्राधिकरण सचिव मनीष कुमार सहित मन्दिर समिति, व्यापारी संघ और टैक्सी यूनियन एवं कम्पू यूनियन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्मृतियां**आन्दोलनकारियों ने बुद्धिमत्ता नहीं दिखाई होती तो जोया में भी रामपुर तिराहा जैसा काण्ड होता**

रमेश चन्द्र पाण्डे

उत्तराखण्ड के इतिहास की सबसे काली रात की 32वीं बरसी। 2 अक्टूबर 1994 को वो रात मैं कभी नहीं भूल सकता। मैं उस दौरान ऑडिट विभाग, नरेंद्र नगर में तैनात था।

1 अक्टूबर 1994 की शाम हम नरेंद्र नगर से दिल्ली में हो रही रेली के लिए रवाना हुए। रात में नारसन के पास हमारी सारी बसों को रोक दिया गया। रातभर आन्दोलनकारियों के साथ क्रूरता की गई और महिलाओं के साथ अभद्रता की गई। चीख-पुकार और दहशत से गुजरी उस काली रात के बाद जब सूर्योदय हुआ तो हम सब इकट्ठा हुए। हजारों की तादाद में इकट्ठा हुए हम लोगों के ठीक सामने एक बड़ी दीवार के रूप में सैकड़ों पुलिस बल के जवान खड़े थे। गांधी जयन्ती के दिन ठीक 8 बजे जब हम सब 'रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम...' गा रहे थे तो ठीक उसी समय किसी के द्वारा पुलिस की ओर एक गन्ना और फिर एक चप्पल फेंकी गई, जिसके बाद वहाँ भगदड़ के साथ गोलीबारी हुई और कई आन्दोलनकारी घायल और शहीद हो गये। इस काण्ड में मैं भी मौत से रूबरू हुआ।

पिछले 10 साल से हर साल इस काण्ड की बरसी पर मैं रामपुर तिराहा स्थित शहीद स्थल जाता रहा हूँ। इस बार

माता-पिता के श्राद्ध होने से नहीं जा सका। हल्द्वानी स्थित अपने घर में उस दिन शहीदों की शहादत के परिदृश्य को याद करते हुए मन में एक सवाल उठा कि कुमाऊं से भी तो लोग दिल्ली की रैली में गये थे, तो आखिर वहाँ ऐसी अग्रिम स्थिति क्यों नहीं हुई? इसी सवाल पर आज मैंने हल्द्वानी में हुई उस दौरान की गतिविधियों से सम्बन्धित फाइलों और अखबारों की कतरनों का अध्ययन किया और कई लोगों से बात भी की। जिसका निष्कर्ष यह निकला कि कुमाऊं में आन्दोलन का नेतृत्व करने वालों ने बुद्धिमत्ता का परिचय दिया।

हुआ यह था कि जब दिल्ली कूच के लिए जिला प्रशासन और परिवहन निगम ने बसों के परमिट देने से मना कर दिया, तो हल्द्वानी में छात्र-अभिभावक संघर्ष समिति से जुड़े एन.सी. तिवारी, दीवान सिंह बिष्ट, नवीन चन्द्र वर्मा, भुवन चन्द्र पाण्डे आदि ने 1 अक्टूबर 1994 को ही मुनिसिफ मजिस्ट्रेट श्री जे. के. शर्मा की अदालत में वाद दायर कर दिया। अदालत ने वाद संख्या 0717 पर सुनवाई करते हुए दिल्ली रैली हेतु निजी बसों को परमिट देने का आदेश दिया। कुमाऊं मोटर ऑनर्स यूनियन ने निःशुल्क बसें और पेट्रोल पम्प एसोसिएशन ने निःशुल्क डीजल दिया, और सभी आन्दोलनकारी अदालत के आदेश की

प्रति लेकर दिल्ली के लिए रवाना हुए। यदि कुमाऊं के नेतृत्व ने उस समय अदालत से अनुमति नहीं ली होती, तो कुमाऊं की बसों को भी मुरादाबाद के पास जोया में रोक दिया जाता और जोया में भी मुजफ्फरनगर काण्ड जैसा ही बर्बरतापूर्ण काण्ड हो जाता। क्योंकि शासन का मौखिक आदेश तो एक ही था- 'उत्तराखण्ड वालों को दिल्ली मत जाने दो।'

अदालत के लिखित आदेश के कारण प्रशासन कुमाऊं की बसों को रोकने की हिम्मत नहीं कर पाया। और यही कारण है कि कुमाऊं के आन्दोलनकारी सुरक्षित दिल्ली पहुँच पाए, जबकि बिना अदालती आदेश के गई बसों को मुजफ्फरनगर में रोक कर वह बर्बरता की गई जिसे आज रामपुर तिराहा काण्ड के नाम से जाना जाता है।

रामपुर तिराहा काण्ड की बरसी पर उन सभी शहीदों को नमन, और पहाड़ों के उन बुद्धिमान नेतृत्व को भी सलाम जिनकी सूझबूझ से कुमाऊं-मण्डल के आन्दोलनकारियों की जान बच गई और जोया में मुजफ्फरनगर जैसा बर्बरतापूर्ण हादसा टल गया।

(लेखक- सेवानिवृत्त सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी एवं उत्तराखण्ड कार्मिक एकता मंच के संस्थापक अध्यक्ष हैं।)

भीड़ के बाद कैंची में प्रशासन का डण्डा

नैनीताल। कैंची क्षेत्र में अथाह भीड़ के कारण चारों ओर से हो रही आलोचना के बाद जिला प्रशासन तीव्र हलचल में दिखाई दिया है। भीड़ का फायदा उठाकर कमाई करने वाले, मनमानी करने वालों की शिकायत मिलने पर दो दर्जन इकाइयों पर कार्यवाई हो गई।

ओवर रेटिंग की सूचना पर 22 पर जुर्माना लगाया गया है और दो सील किये गये जबकि चार को नोटिस दिया गया। जिला पर्यटन अधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने कैंची क्षेत्र में संचालित प्रतिष्ठानों को देखा। कुछ संचालक प्रतिकृत कमरों से अधिक कमरे चला रहे थे तो कई प्रतिष्ठानों में रेट लिस्ट चस्प्रा नहीं थी। नियमों से खिलवाड़ कर रहे 26 होटल और होम स्टे संचालकों कार्रवाई की जद में आए हैं। खानपान की दुकानों पर भी जाँच करते हुए संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

भीड़ नियन्त्रण चुनौती, पंजीकरण बाद दर्शन

हल्द्वानी। कैंची क्षेत्र में हो रही भीड़ को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने व्यापारी सम्मेलन में कहा कि नीब करौली बाबा के दर्शन करने को देश-विदेश से श्रद्धालु कैंची धाम पहुँच रहे हैं। असीमित संख्या में भक्तों के पहुँचने से व्यवस्था सम्भालना अब चुनौती बन रहा है। यह भी सच है कि पर्वतीय क्षेत्रों में आवाजाही करने वाले परेशान हो रहे हैं। ऐसे में

रोजाना दर्शन के लिए भक्तों की संख्या निर्धारित की जाएगी। पंजीकरण का सिस्टम बनाया जाएगा।

हल्द्वानी के राजकीय मेडिकल कालेज में आयोजित प्रादेशिक व्यापारी सम्मेलन में सीएम ने कहा कि सरकार व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिये प्रयास कर रही है। विश्वास है कि बाबा व्यवस्थाएं सुचारु करने को लेकर आशीर्वाद देंगे।

वाहनों का चालान हुआ और चेतावनी भी

हल्द्वानी। भवाली से खैरना तक बेहिसाब जाम से मचे हल्ले के बाद प्रशासन ने थोड़ा हरकत की। इसमें ट्रैफिक पुलिस सहित अन्य जुटे। यात्रा पर जाने वाले दुपहिया, चौपहिया वाहनों के कागज जांचने सहित चालान की कार्यवाई हुई।

वाहनों की चैकिंग को पुलिस उपलब्धि मान रही है जबकि यह तो निरन्तर होनी चाहिये। इसके अलावा बाहर से आने वाले वाहनों पर निगरानी होनी चाहिये कि वह आड़े-तिरसे खड़े न हों और किसी प्रकार की अराजकता, गन्दगी न फैले।

छरड़ी से काठगोदाम पुल तक जाम से बेहाल

हल्द्वानी। हल्द्वानी महानगर की सड़कों जाम से परेशान हैं और काठगोदाम पुल से लेकर छरड़ी तक भी जाम से बेहाल बना हुआ है। कहने को कैंची धाम जाम

का मुख्य केन्द्र है लेकिन इस सड़क पर जगह-जगह जाम से लोगों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हुई है। साथ ही क्षेत्रवासियों को दिक्कत हो रही है।

सुरेश मेडिकल स्टोर

नियर- टैक्सी स्टैंड

मदकोट रोड

मुनस्यारी

मो.- 8077929044, 9756822576

HIMALAYAN**MUNSYARI STORE**Johar Nagar, Bhotia Padav,
Haldwani(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग
के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)

मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

मिलम बेक हाउस (नियर- टैक्सी स्टैंड चौराहा) मुनस्यारी

सम्पर्क- 8941807388



पहाड़ों में तैयार, स्वाद से भरपूर। हिमालय की वादियों से आपके स्वाद तक। आपके लिये लेकर आया है ताजे स्वादिष्ट और गुणवत्तापूर्ण बेकरी उत्पाद।

हरि प्रदर्शनी की तैयारियां शुरू

5-7 नवम्बर तक होगा आयोजन, झांकियों का उत्साह खूब है

हल्द्वानी/मुनस्यारी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हरि सिंह जंगपांगी की याद में प्रतिवर्ष होने वाले तीन दिवसीय आयोजन की तैयारियां होने लगी हैं। 'हरि प्रदर्शनी' के लिये हल्द्वानी में गोविन्द सिंह जंगपांगी की अध्यक्षता में हरि स्मारक समिति हल्द्वानी इकाई की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सभी जंगपांगी परिवारों से सहयोग हेतु अनुरोध करने का निर्णय लिया गया। हरि प्रदर्शनी आयोजन तिथि 5 नवम्बर से 7 नवम्बर में कोई परिवर्तन नहीं करने का निर्णय भी लिया गया।



बैठक में तय हुआ कि हरिसिंह जी की मूर्ति को नये स्मारक भवन के बगल में बाहर से स्थापित किया जाय, जो स्मारक हॉल में स्थापित है। बैठक में सुझाव आया कि इस वर्ष झांकियों के साथ आने वाले बाजे की व्यवस्था समिति

द्वारा ही किया जाए। चूँकि बाजे की व्यवस्था समिति द्वारा की जा रही है तो झांकियों वाले अपने टीम के साथ बाजे न लाने का अनुरोध किया जाय।

हरि प्रदर्शनी में कश्तकारों को दिये

जाने वाले पारितोषिक में थोड़ा बृद्धि पर भी विचार हुआ।

बैठक में विगत वर्ष हुए खर्चों के सम्बन्ध में भी वार्ता हुई जिसमें हुए खर्चों पर सन्तोष व्यक्त किया गया। समारोह को भव्य बनाने के अलावा अगले वर्ष श्री हरि प्रदर्शनी के 75 वीं वर्षगांठ के लिए प्रारूप की तैयारी पर भी विचार किया गया।

मुनस्यारी के दुमर में भी प्रदर्शनी के लिये लोगों में उत्साह है। लम्बे समय से जारी इस आयोजन में दुमर व आसपास के समस्त ग्रामों की एकजुटता का प्रदर्शन देखने को मिलता है। प्रदर्शनी के लिये परम्परागत रूप से घरेलू कुटीर उद्योग सामग्री प्रस्तुत करने के अलावा अपनी लोकसंस्कृति के प्रति सभी लोग जागरूकता दिखाते हैं।

जोहार महोत्सव के लिये मंथन

हल्द्वानी। जोहार सांस्कृतिक एवं वेलफेयर सोसाइटी, हल्द्वानी द्वारा हर वर्ष माह नवम्बर के दूसरे सप्ताहान्त में तीन दिवसीय जोहार महोत्सव का आयोजन विगत 16 वर्षों से हल्द्वानी में किया जाता रहा है। इस वर्ष भी महोत्सव को एक व्यवस्थित रूप से आयोजित करने के लिये मंथन किया गया। चूँकि शहर में लगातार सरकारी व गैर सरकारी आयोजनों को लाइन है, ऐसे में इस वृहद आयोजन को किस प्रकार शानदार बनाया जाए, इसको लेकर विचार विमर्श करते हुए इस बार 30 अक्टूबर से इसे शुरू करने पर विचार हुआ। बताते चलें कि अपनी कला संस्कृति को इस भावर क्षेत्र में परिचित कराने व आपसी एकता भाईचारा के लिये सोसाइटी ने जितनी सजगता से पिछले आयोजन किये हैं वह सराहनीय हैं।

मल्ला जोहार का एजीएम

मुनस्यारी। मल्ला जोहार विकास समिति का प्रतिवर्ष की भाँति इस बार भी हरि प्रदर्शनी के दौरान एजीएम होगा। समिति के अध्यक्ष श्रीमान सिंह धर्मशक्तु ने बताया है कि माइग्रेशन परिवार जब वापसी में आते हैं, इस मौके पर यह वार्षिक बैठक में सीमान्त क्षेत्र के हालातों पर बातचीत और सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को अवगत कराया जाा है। साथ ही आवश्यक सुझाव भी दिये जाते हैं।

मल्ला जोहार विकास समिति की यह बैठक 6 नवम्बर को मल्ला दुमर में हरि स्मारक स्मृति स्थल में होगी। इसके लिये प्रशासनिक अधिकारियों व तमाम विभागों को अनुरोध किया गया है कि उनके अधिकारी उपस्थित होकर अपनी उपलब्धि बताएँ और ग्रामीणों की व्यथा का समाधान भी करें।

हल्द्वानी में तुमार अपण आँखक अस्पताल।

जहाँ आपको मिलता है पलक से पर्दे तक सम्पूर्ण इलाज



अस्पताल में आयुष्मान कार्ड, गोल्डन कार्ड, ECHS कार्ड और सभी स्वास्थ्य बीमा कार्ड पर कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है



शुभानु आँखों का अस्पताल

अधिक जानकारी के लिए इन नंबरों पर संपर्क करें

90681 77738, 9997780135

कोहली टावर, ठंडी सड़क, सिविल लाइंस, हल्द्वानी

Hotel Bala Paradise Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे

धरमघर/चौकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148 www.mountainheights.in

न तेरा न मेरा Thats मो. 9458920379

APNA GHAR 6396098804

चौकोड़ी

YOGA MEDITATION

HOTEL RESTRO BANQUET HOMELY

(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग

FOOD

Near by- देव, पातालभुवनेश्वर)

LIVE

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

MUSIC

स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

BIRTHDAY WEDDING

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल

आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- मो.- 8958525979,

05961-222236

9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

नरेन्द्र सिंह रावत

सम्पर्क 7351285555

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती

फोन/मोबाइल

9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com